(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान आई.एम.डी.,नई दिल्ली के आधार पर तैयार की गई)

चौ.स.कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर-176062
हिमाचल प्रदेश
सस्य, चारा एवं चारागाह प्रबन्धन विभाग, कृषि महाविद्यालय

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा विज्ञप्ति क्र. 2018/3/Him/Ham/4

जिलाः काँगड़ा **दिनांकः 13.3.2018**

www.hillagric.ac.in/info/kisano_ke_liye_soochna, email: ranars66@rediffmail.comPh.No. : +91-1894 232245
Fax: 91-1894 230406

Past Weather

Temperature

Max temperatures were normal

Highest Temp	Dharmsala: 8.6 Deg.C 08th & 09th March .
Min. temperatures were 4-5 Deg below normal.	
Lowest Temp	Dharmsala: 7.8.Deg. C on 5th March

Precipitation in (mm)

Precipitation occurred at few places

Date	**8th h**	**9th h**	**10th h**	**11th h**	**12th h**	**13th h**
Dharamshala	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
Ghamroor	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
Guler	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
N. Suriyan	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

Weather Forecast

Weather Parameter/Date		**14th h**	**15th h**	**16th h**	**17th h**	**18th h**
Rainfall (mm)		0	9	15	5	0
Temp (C)	**Max**	25	23	22	21	21
	Min	11	10	9	9	9
Cloud (Octa)		1	7	8	6	1
Humidity (%)	**Morning**	65	85	95	75	70
	Evening	50	65	75	65	40
Wind speed (kmph)		18	14	13	14	12
Wind direction		ENE	ENE	ENE	NE	NE

जिले के अलग अलग क्षेत्रों में ब्लाक स्तर पर पिछले सप्ताह वर्षा 0.0 mm हुई और तापमान से 7.8 -8.6 ^{0}C रहा है. अगले पांच दिनों में 29 mm वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 21 से 25 ^{0}C और न्यूनतम तापमान 9 से 11 ^{0}C के बीच रहने के संभावना है. हवाओं की गति 12-18 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से चलेंगी. सापेक्षित आद्रता लगभग 40 से 95 प्रतिसत के बीच रहेंगी. हलके बादल रहने की संभावना है

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/ विमारियां व अन्य	कृषिय सलाह
रबी फसलों एवं सब्जियों में दवाईयों का छिडकाव सुबह या शाम के समय ही करें ताकि मधुमक्खियों को नुकसान न हो क्योंकि यह परांगण में सहायता करती है ।			
रबी फसलें			पक्की तोरिया या सरसों की फसल को काट दें। फलियों का रंग भूरा होना ही फसल पकने के लक्षण हैं। फलियों के अधिक पकने की स्थिति में दाने झड़ने की संभावना होती है। जल्द से जल्द गहाई करें। पीला रतुआ के अगर लक्षण दिखाई दें तो फसल में टिल्ट या प्रोपिकोनजोल 25 ई.सी. @ 0.1% का छिडकाव करें यह चूर्णिल आसिता तथा करनाल बंट से भी फसल को बचाता है खुली कांगियारी (काली बालियों वाले पौधे) नामक रोग से ग्रस्त गेहूं के पौधों को बिमारी के लक्षण प्रकट होते ही निकाल कर जला दें . गेहूँ की फसल जो दूधिया या दाने भरने की अवस्था में है तापमान बड

			रहा है हल्की सिंचाई हो तो करें।
दलहनी			प्रदेश के निचले क्षेत्रो में चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड़ उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 20-25% फूल खिल गये हों। तथा सुडीयों फसल पर प्रकट होते ही साइपरमिथरिन 30 मि. ली./ 30 लीटर पानी/ कनाल का प्रयोग करें. "T" अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए. **निचेल क्षेत्रों** मूंग और उड़द की फसलों की बुवाई का समय आ रहा है . बुवाई से पूर्व बीजों को फसल विशेष राईजोबियम तथा फास्फोरस सोलूबलाईजिंग बेक्टीरिया से अवश्य उपचार करें। जिन किसानों के खेत खाली है तो खेत तैयार कर के बुवाई शुरू करें। बुवाई के समय खेत में नमी सुनिश्चित करें **निचेल व मध्यम पर्वतीय क्षेत्रों में सुज्मुखी फसल लगाने का समय है**
चारा प्रबंधन	बुवाई		निचले क्षेत्रों में इस तापमान में मक्का चारे के लिए (प्रजाति- अफरीकन टाल) तथा लोबिया की बुवाई की जा सकती है। बेबी कार्न की एच एम-4 किस्म की भी बुवाई शृरू कर सकते हैं
सब्जी उत्पादन			
सब्जी उत्पादन	निराई व गुड़ाई		कद्दूवर्गीय सब्जियों (लोकी, टिंडा, तूरई, सीताफल, ककड़ी, करेला, तरबूज, खरबूजा आदि) की बुवाई का समय है . बुवाई से पूर्व बीजों को केप्टान या थीरम 2.0 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करें। बुवाई से पूर्व 10-12 टन प्रति एकड़ की दर से सड़ी हुई गोबर की खाद खेतो में जुताई के समय उपयोग करें बेलवाली सब्जियों और पछेती मटर में चूर्णिल आसिता रोग के लक्षण दिखाई दे तो कार्बेन्डिज्म @ 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें भिन्डी फ्रेंच बीन, गर्मी के मौसम वाली मूली इत्यादि की सीधी बुवाई हेतु वर्तमान तापमान अनुकूल है क्योंकि बीजों के अंकुरण के लिए यह तापमान उपयुक्त हैं भिण्डी एवं फ्रांसबीन में खरपतवार नियन्त्रण के लिए लासो (एलाक्लोर) 320 मि.ली. या स्टाम्प (पैणिडमिथैलिन) 320 मि.ली. प्रति बीघा की दर से 60 लीटर पानी में घोलकर बीजाई के तुरन्त बाद छिड़काव करें| निचले क्षत्रों में टमाटर, मिर्च आदि सब्जियों की तैयार पौध की रोपाई कर सकते हैं। रोपाई से पूर्व पौध की जड़ों को इमिड़ाक्लोप्रिड़ 1 % घोल मे 15-20 मिनट डुबोकर उपचारित करें ताकि चूसक कीटो के प्रकोप से बचा जा

			सकें। बुवाई से पूर्व 10-12 टन प्रति एकड़ की दर से सड़ी हुई गोबर की खाद खेतो में जुताई के समय उपयोग करें बैंगन की फसल को प्ररोह एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु स्पिनोसेड कीटनाशी 48 एस.सी. @ 1 मि.ली./ 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
टमाटर ,लाल व शिमला मिर्च			टमाटर ,लाल व शिमला मिर्च आदि की पनीरी लगने का समय है पॉलिथीन के लिफाफों में कद्दू बर्गियों सब्जिओं जैसे खीर, करेला, पंडोल की पनीरी दें
जड़ दार सब्जिओं	निराही गुड़ाई		मौसम को मध्यनजर रखते हुये चेपा कीट की निगरानी करते रहें.अदरक , हल्दी अरवी या कचालू के खेतों में पलवार या घास का मलच डाल दें
प्याज व लहसुन	रोपाई *वीजाई*		प्याज की पहले से बोयी गई फसल में थ्रिप्स के आक्रमण के अधिक पाये जाने पर इमिडाक्लोप्रिड @ 0.5 मिली./ली. पानी किसी चिपकने वाले पदार्थ जैसे टीपोल आदि(1.0 ग्रा. प्रति एक लीटर घोल) में मिलाकर छिड़काव करें। प्याज की फसल में हल्की सिंचाई करें। फसल की इस अवस्था में उर्वरक न दे अन्यथा फसल की वनस्पति भाग की अधिक वृद्धि होगी और प्याज की गांठ की कम वृद्धि होगी
पाली होउस खेती	बनस्पति और फल अवस्था		मटर और पत्तादारफसलों पालक मेथी ब्रोक्लोई अदि खरपतवार का नियंत्रण करें टमाटर व शिमलामिर्च में पत्ता धब्बा रोग की रोकथाम के लिए टिल्ट नाम की दबाई का छिड्काब करें . पहले से लगे टमाटरों में टहनियां रख कर कर बाकि की कटाई करें. तथा शिमलामिर्च में की पिंचिंग करें कद्दूवर्गीय सब्जियों के अगेती फसल के पौध तैयार करने के लिए बीजों को छोटी पालीथीन के थेलों में भर कर पाली घरों में रखें . पोलिहोस में बैगुन मिर्च व् अ शिमला मिर्च की पनीरी लगाने का समय है /
आलू	गुड़ाई-निराही		आलू में आलू का पतंगा (पी.टी.एम) नामक कीट का खेत में प्रकोप की निगरानी करें .निचले क्षेत्रों में हवा में अधिक नमी के कारण आलू तथा टमाटर में झूलसा रोग आने की संभावना है लक्ष्ण दिखाई देने पर कार्बडिजम 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या डाईथेन-एम-45 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें। आलू की फसल में सिंचाई करें तथा उर्वरक की मात्रा डालें
मशरूम	डिंगरी मशरूम पैदाबार		बंद कमरे में खुम्ब उत्पादन (डिंगरी) के लिए जलवायु उचित है डिंगरी की फसल के लिये कमरे का तापमान 22-24 डिग्री सेल्सिस तक वनाये रखें और पानी भी छिडकें ताकि कमरे में नमीं 80 से 85 प्रतिशत वनी रहे सफ़ेद खुम्ब इ फसल के लिए

			17–18 डिग्री सेंटी ग्रेट तापमान बनाए रखें और पानी छिडकें जब खुम निकला शुरू हो तो तापमान 18-22 डिग्री सेंटी ग्रेट बनाए रखें
पशुपालन मवेशी भेड़ बकरी इत्यादी		डीवार्मिंग	जुओं चिचाडों से बचें हेतु butox २ मिली लीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से पशुशाला में छिडकें. पशुओं को साफ व गरम पानी दें. पाशुओं में खांसी के लिए निरिक्षण करतें रहे.
मुर्गीपालन		आहार	मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे । मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले । ब्राईलर को लगातार फीड देते रहे ।रानीखेत वीमारी के लिए टिकाकर्ण करवा दें मुर्गियों को इकोलाई व कोच्क्सडिया विमारियों से बचाएँ ब्राईलर को लगातार फीड देते रहे । मुर्गियों को कैल्शियम के कंकड़ दे
चाय	छंटाई व पौध रोपण		कलमों के लगाने का काम करें. चाय की पोध का पर्तिरोपन थालियों में करेने का समय है.बगीचे में छाया करनेवाले करें पोधों की कांट छांट करें ताकि धुप लग सके *चाय में खाद डालने का काम ख़तम करें ध्यान रखें की खाद पेड़ों के उपन न गिरे जिस से पतों को नुकशान होता है*
फल उत्पादन	पोध संरक्षण		पीच प्लम आड़ू खुमानी आदि में फूल न आया है खाद की मात्रा दें। आम के बगीचो में गुच्छा रोग (Mango malformation) दिखाई दे तो पुष्प गुच्छ को काट कर नष्ट कर देवे एवं फुदका(Hopper) कीट की निगरानी करें। मिलीबग कीट की निगरानी करते रहें। । पोधों के तोलिये बनाएं और खाद दे जा सके. पीच लीफ कर्ल के उपचार हेतु Metasystox 1 मिली लीटर 1 लीटर पानी+ blitox ३ ग्राम १लित्रे पानी में घोल कर छिड्काब फूल आने से पहले करें
मधु मक्खी पालन	सक्रिय	पोषण	मधु मक्खीयों को बनावटी खुराक 50 प्रतिशत चीनी व 50 प्रतिशत गुर का घोल बन कर दें . ततैईयों रिन्गलों से बच्हब करें और फ़ाउल ब्रूड रोग के प्रति सचेत रहे.
मछली पालन	वीज डालना		पानी के साथ टैंक भरें और मछली छोटी अम्गुलियेओं प्रति 100 वर्ग मीटर के तालाब क्षेत्र में 150 फ़िंगरलिंग्स का संग्रहण करें देसी खाद तालाबों में डालें. छोटी अँगुलियों के पोषण की ब्यवस्था करें

पुष्प	फूल संरक्षण	माइट्स	ग्रीसंकालीन फूलों की नर्सरी लगाने का समय है गृष्म लकिन फूलों की नर्सरी लगाने का समय है गुलाब के पौधों की कटाई-छटाई करें। कटाई के बाद बाविस्टीन का लेप लगाएं ताकि कवको का आक्रमण न हों गेंदे में पूष्प सड़न रोग की सम्भावना होती है यदि लक्षण दिखाई दें तो बाविस्टिन 1 ग्राम\लीटर अथवा इन्डोफिल-एम 45@ 2.0 एम.एल\लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें। गुलाब में रेड सक्ले के आने की सम्बभावना हो तो carbofuron एक चमच प्रति पोधे के हिसाब से पोधे के निचे रखें

कृषि प्रसार निदेशक
चो० स. कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विस्वविद्यालय] पालमपुर -176062
हिमाचल प्रदेश